हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री कॉलेज में प्रारंभ हुआ इंग्लिश कोचिंग क्लासेस

मण्डला। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला में कमान अधिकारी 1 एमपी तजप रेजीमेंट एनसीसी जबलपुर के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अनिल गुप्ता सर के मार्गदर्शन एवं एनसीसी अधिकारी डॉ राजेश धुर्वे की उपस्थिति में एनसीसी कैडेट्स के लिए 12 जुलाई से एनसीसी कैडेट्स को अंग्रेजी की शिक्षा देने हेतु इंग्लिश कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अनिल गुप्ता के द्वारा किया गया। इस इस शुभारंभ अवसर पर डॉ अर्जुन सिंह बघेल डॉ गुलबहार खान डॉ नितिनका रघुवंशी एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

युवा-संगम मेला का आयोजन नगर पालिका टाऊन हॉल में आज

मण्डला। रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए मासिक रोजगार मेले का आयोजन आज 15 जुलाई को नगरपालिका के टाऊनहॉल में किया जा रहा है। इस मेले में बेरोजगार युवा जिनकी उम्र 18-35 वर्ष एवं योग्यता कक्षा 8वी से स्नातक/आई.टी.आई उत्तीर्ण हो, वह निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए पहुंचकर काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। नगरपालिका मण्डला के टाउनहॉल में यह आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। इच्छुक आवेदक रोजगार मेले में अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार पंजीयन एवं अन्य दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, आईटीआई मण्डला एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

20 शिव भक्तों का जत्था सुल्तानगंज के लिये हुआ रवाना

बोल बम के जयघोष के साथ निकले कावड़िये

*** नगर में भी निकाली गई कावड़ यात्रा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंडला जिले से 20 श्रद्धालुओं का कांवड़ियों का जत्था ₹बोल बम₹ के जयघोष के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम की कठिन और पुण्यदायी कांवड़ यात्रा पर निकला।

इस धार्मिक यात्रा में मुख्य रूप से नितिन रावत, शैलेश खंडेलवाल, आलोक खरिया, सुयंक श्रीवास्तव, विकास त्रिसोलिया, राजा नरेश खत्री, समीर कटारे, सोमिल रावत, राहुल खेरा, अमित जैसवाल, क्रांति बड़ोनिया, दीपक ब्रजपुरिया, सत्यप्रकाश जैसवाल, रितेश शिवहरे, सौगात नाशिने, मोहित बाजपेयी, संतोष कुशवाहा, शैलेश गुप्ता, विश्वजीत गुप्ता और स्वप्निल श्रीवास्तव शामिल हैं।

श्रावण मास की पावन बेला में यह जत्था बिहार के सुल्तानगंज से पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा जल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर झारखंड स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग में जल अर्पण के लिए प्रस्थान कर चुका है। यह यात्रा बाबा बासुकीनाथ मंदिर में जलाभिषेक के साथ संपन्न होगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उत्तरवाहिनी गंगा का जल भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है, और बाबा बैद्यनाथ धाम में जल अर्पण करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। यह स्थल द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सम्मिलित होने के साथ-साथ एक प्रमुख शक्ति पीठ के रूप में भी माना जाता है।

मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने भी इसी मार्ग से गंगाजल लाकर शिवलिंग पर जल अर्पित किया था, जिसके उपरांत यह यात्रा परंपरा बन गई। मंडला से निकले श्रद्धालु नंगे पांव चलते हुए कठिन यात्रा को भक्ति, श्रद्धा और समर्पण से पार कर रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, संयम और सामूहिक भक्ति का अद्वितीय अनुभव है। यात्रा के दौरान ₹बोल बम₹ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय और ऊर्जावान बना रहा।

इस भावपूर्ण और श्रद्धामयी सहभागिता ने मंडला जिले की धार्मिक आस्था और सामूहिकता को नई ऊंचाई प्रदान की है।

रोजाना हो रहा भोले नाथ का रूद्राभिषेक

ग्राम खैरीमाल स्थित देव निरंजन सेवा आश्रम बेलघाट में रोजाना भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक आयोजित किया जा रहा है माँ नर्मदा कुटीर में स्थापित भगवान भोलेनाथ के भव्य शिवलिंग का रूद्राभिषेक श्रावण मास के पहले दिन से ही प्रारंभ हो गया है। विद्वान शास्त्रियों द्वारा रूद्राभिषेक एवं भगवान भोलेनाथ का पूजन, आरती जब आदि किया जा रहा है रूद्राभिषेक में कोई भी सनातनी भक्त उपस्थित होकर अभिषेक में भाग ले सकता है उसके लिये उस भक्त को सिर्फ भारतीय परिधान धारण करना होगा और सुबह 9 बजे तक कुटी में स्थापित शिव मंदिर पहुंचना होगा रूद्राभिषेक की समस्त पूजन सामग्री देव निरंजन सेवा आश्रम के संत श्री दिगम्बर राम भारती जी महाराज के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है रूद्राभिषेक के उपरांत सात्विक भोजन भी उपलब्ध है महाराज जी ने सभी श्रद्धालुजनों से इस अवसर का लाभ उठाकर पुण्य लाभ कमाने अपील की है।

माँ नर्मदा कुटीर देव निरंजन सेवा आश्रम आने के लिये आपको मण्डला-डिण्डौरी मार्ग में लिंगा पौड़ी से आगे लिंगा की ओर जाना पड़ेगा जहां से महज 5 किलोमीटर दूर ही माँ नर्मदा के किनारे यह आश्रम स्थित है आश्रम तक पक्का पहुंच मार्ग है जहां तक दोपहिया एवं चारपहिया वाहन के माध्यम से आसानी पहुंचा जा सकता है।

सीएम हेल्पलाईन की लम्बित शिकायतों के निराकरण की गति तेज करें-कलेक्टर

*** समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

समय सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाईन में लम्बित शिकायतों के निराकरण की गति तेज करें। नगरीय निकाय, पीएचई, राजस्व, पंचायत तथा पीडब्ल्यूडी जैसे विभागों में अधिक संख्या में शिकायतें लम्बित हैं। संबंधित विभाग आगामी 3 दिवस में ग्रेडिंग मंथ की शिकायतों पर विशेष फोकस करें। जिन विभागों की ग्रेडिंग मंथ की शिकायतें इकाई की संख्या में है, वह 50 दिवस से अधिक की शिकायतों पर भी समानांतर रूप से ध्यान देकर विभागीय ग्रेडिंग बेहतर करें। विभागों की संतुष्टि के निराशाजनक प्रतिशत पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सीपी ग्राम में लम्बित शिकायतें आगामी 2 दिवस में बंद कराएं, बुधवार को कमिश्नर जबलपुर संभाग द्वारा इसकी समीक्षा की जाएगी। किसी भी शिकायत का निराकरण यदि भोपाल स्तरीय कार्यालय से संबंधित है ऐसी स्थिति में संबंधित विभाग डीओ लेटर प्रेषित कराएं। उन्होंने कहा कि सीएम मॉनिट एवं सीएस मॉनिट के प्रकरणों का समय पर समुचित निराकरण कराएं। सीएम डैशबोर्ड के बिन्दुओं को ध्यान से पढ़ें एवं तत्संबंध में समय पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। समग्र ई-केवाईसी में जिले की रैंकिंग संतोषजनक नहीं होने पर कलेक्टर ने कहा कि आगामी बुधवार से विशेष अभियान चलाकर अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में पानी की निकासी, विद्युत आपूर्ति, फूड ई-केवाईसी, ई-ऑफिस, छात्रवृत्ति, पौधारोपण, छात्रावास की सीटें तथा अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, श्री अरविंद सिंह, जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित संबंधित जिला अधिकारी मौजूद रहे। समस्त तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ नगरपालिका तथा बीएमओ वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री कॉलेज में एनसीसी के 17 कैटेड्स को मिला सी सर्टिफिकेट

मण्डला। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनिल गुप्ता, डॉक्टर राजेश धुर्वे एनसीसी अधिकारी एवं कमान अधिकारी वन एमपी आरटी रेजीमेंट एनसीसी जबलपुर के कुशल निर्देशन में 17 कैडेट्स को सी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया जिसमें पृथ्वी मरकाम, दीपक शाह पंद्रो, अनुज बंदेवार, राकेश मरावी, प्रियांशु सिंगौर और जितेंद्र साहू महक बैरागी, दानिसा व्यायाम प्रतिभा कार्तिकेय, पूर्वा धुर्वे सपना नागवंशी, ज्ञानवती मरावी इत्यादि शामिल है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर टीपी मिश्रा डॉक्टर श्रीकांत श्रीवास्तव डॉक्टर एस एस ज्योतिषी,डॉक्टर भुनेश्वर टेम्भरे, डॉ अर्जुन सिंह बघेल, क्रीड़ा अधिकारी डॉक्टर खान सर सहित द्वारा सी सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी गई। इसी अवसर पर एनसीसी कैडेट्स के माध्यम से एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण 14 जुलाई 2025 को प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुआ और जिसमें विद्या वन में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर बघेल एवं डॉ राजेश धुर्वे, लखन धुर्वे और अन्य एनसीसी के क्रेडिट उपस्थित थे।

जिला अस्पताल की टीम ने कराया सुरक्षित प्रसव

मण्डला। रेसीडेंट मेडीकल ऑफिसर डॉ. प्रवीण उइके ने बताया कि जिला अस्पताल की टीम ने सोमवार की सुबह 6 बजे ग्राम कटिया भिलाई जिला सिवनी की निवासी पूजा यादव पति सीताराम यादव को जिला अस्पताल मंडला लाया गया। उन्होंने बताया कि एक बच्चे की सुरक्षित डिलेवरी भिलाई घंसौर में हो गई थी, चूंकि जुड़वा बच्चे थे तथा दूसरे बच्चे के साथ मेडीकल कॉमप्लीकेशन होने के कारण घंसौर में प्रसव संभव नहीं होने पर केस को हायर सेंटर के लिए रिफर किया गया था। जिला चिकित्सालय की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मालती उईके ने प्रसूता की जांच के उपरांत केस की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उक्त महिला को ऑपरेशन के लिये लिया। चूंकि हेन्ड प्रोलेप्स था बच्चे तथा मां की जान को खतरा था इसलिए मेडीकल टीम ने पूरी सावधानी के साथ सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा एवं बच्चा दोनों पूर्णतः सुरक्षित हैं। ओ.टी.टी. से योगिता, स्वाती, अंकिता नर्सिंग ऑफिसर एवं अमित, मुकेश वार्डबॉय का विशेष योगदान रहा। सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे ने कहा है कि जिले के शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रो में सुरक्षित प्रसव के लिए टीमें आमजन की सेवा में तत्पर हैं इसलिए ऐसे विषयों में बिल्कुल भी देरी न करें। समय पर अस्पताल पहुंचाकर शिशु एवं मातृ मृत्यु दर कम करने के शासन के अभियान में सहयोग करें।

बदहाली | **बारिश आते ही आंगनबाड़ी भवन में लेना पड़ती है शरण।**

बारिश में खुले आसमान तले पढ़ने को मजबूर बच्चे

*** जिला शिक्षा केन्द्र के दांव-पेंच में उलझा बुजबुजिया स्कूल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनपद पंचायत मण्डला के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के ग्राम बुजबुजिया में स्थित जर्जर प्राथमिक शाला भवन एक बार फिर प्रशासनिक लापरवाही का शिकार हो गई है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है, लेकिन बच्चों के पास आज भी पढ़ने के लिए न भवन है और न ही कोई स्थायी व्यवस्था। इस भीषण बारिश में स्कूल खुले आसमान के नीचे, एक जर्जर भवन के पास संचालित किया जा रहा है, जिससे बच्चों की सुरक्षा व स्वास्थ्य दोनों खतरे में हैं।

पिछले वर्ष जर्जर शाला भवन होने और शाला भवन का निर्माण कार्य न होने से शाला प्रबंधन द्वारा स्कूल का संचालन पेड़ के नीचे किया जा रहा था जब यह मामला मीडिया में उजागर हुआ था, तब शिक्षा विभाग ने तात्कालिक उपाय के रूप में एक ग्रामीण के घर में अस्थायी तौर पर स्कूल संचालित किया था। परंतु इस वर्ष कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

ग्रामवासियों का कहना है कि यदि बच्चों के साथ कोई दुर्घटना या बीमारी होती है, तो इसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर शिक्षा विभाग की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2012-13 में प्राथमिक शाला बुजबुजिया के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 3,01,000 की राशि स्वीकृत हुई थी, जिसमें से 1,43,563 ग्राम पंचायत के खाते में भी भेज दी गई थी। इसके बावजूद आज तक भवन निर्माण शुरू नहीं हो पाया।

इस पूरे मामले में सबसे चिंता की बात यह है कि विभाग द्वारा न तो कोई निगरानी की गई, न ही किसी प्रकार की वैकल्पिक कार्रवाई की गई। अब जब मामला पुनः सुर्खियों में आया है, तो शिक्षा विभाग ग्राम पंचायत से राशि की वापसी की मांग कर रहा है। यह सवाल उठना लाजमी है कि यदि वर्षों तक निर्माण कार्य नहीं हुआ, तो विभाग ने संबंधित एजेंसी या जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की?

स्थानीय लोगों ने ग्राम पंचायत से लेकर कलेक्टर, विधायक, सांसद एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

बुजबुजिया के बच्चों का भविष्य शिक्षा व्यवस्था की इस उपेक्षा और असंवेदनशीलता के चलते अधर में लटका हुआ है।

इनका कहना:-

पंचायत में जमा राशि में भवन को मरम्मत हेतु जिला शिक्षा केन्द्र से अनुमति मांगने जाने पर अनुमति नहीं दी गयी, मेरे द्वारा दिनांक 26/6/2025 को कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत कर स्कूल संचालित करने के लिए व्यवस्था करवाने हेतु निवेदन किया है। इस वर्ष भी कोई विभाग द्वारा स्कूल संचालित करने की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गयी जिससे मजबूरन स्कूल पुराने शाला भवन के सामाने खुले में संचालित हो रही है।

-नरेश मार्को, सरपंच, ग्राम पंचायत सिलपुरा

हमारे द्वारा शाला भवन का निरीक्षण कराया जिसमें देखने को मिला कि पुराना शाला भवन जर्जर हो गया है, जिसका प्रतिवेदन जिला शिक्षा केन्द्र को भेजा जा रहा है, साथ ही स्कूल संचालन वैकल्पिक व्यवस्था हेतु भी लिखा जा रहा है।

-विकास खंड शिक्षा अधिकारी, मण्डला

यह पूरी लापरवाही जिला शिक्षा केन्द्र के तकनीकी अमले की होने के कारण यह स्थिति निर्मित हो रही है, जबकि पहले भी यह मामले को लेकर डीपीसी से बोला और निर्देशित किया गया था पर वे ध्यान नहीं दे रहे हैं, इस संबंध में पुनः डीपीसी को निर्देशित किया जायेगा कि उक्त प्रकरण का जल्द निराकरण करें अन्यथा विभाग के ऊपर कार्यवाही हेतु लिखा जायेगा।

-इंजी. कमलेश तेकाम, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष जिला शिक्षा समिति जिला पंचायत, मण्डला

नशा मुक्त भारत अभियान में हो जन सहभागिता-कलेक्टर

*** जिले में 15 से 30 जुलाई तक चलाया जायेगा नशा मुक्त भारत अभियान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नशा मुक्त भारत अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जिले में नशे के विरूद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने नशा मुक्त भारत का संदेश फैलाने, संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करने और जन जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और इनसे बचाना है, बल्कि इस अभियान को नशे के खिलाफ एक जन आंदोलन का रूप देना है। ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि नशे पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए व्यापक कदम उठाए जायें। इसके लिए बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नशा मुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन के रूप में चलाया जाये। इसके तहत लोगों को नशे के प्रकार, नशा एक बीमारी है, नशे की बीमारी से मुक्ति, नशा व मादक पदार्थों का प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मुख्य लक्षणों आदि की जानकारी विस्तार से देकर नशा नही करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाये। नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके अंतर्गत क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थाओं के सौ मीटर के दायरे में तम्बाकू एवं अन्य उत्पादों का विक्रय नहीं हो इसके लिए औचक निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को इस अभियान के तहत गतिविधियों के संचालन के लिए जारी कैलेण्डर के अनुसार सभी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के अंतर्गत आगामी 15 दिनों में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से बिंदुवार जानकारी दी। इस क्रम में मंगलवार को सुबह 9:30 बजे पुलिस लाइन से स्टेडियम तक रैली आयोजित की जा रही है इसमें सभी सामाजिक संगठन स्कूली छात्र-छात्राएँ, विद्यार्थी, एनएसएस, स्काउट गाइड, नेहरु युवा केंद्र, जनप्रतिनिधि और मीडिया संस्थान के प्रतिनिधि इस रैली में जरूर पहुँचें।

जिला स्तरीय नशामुक्त भारत अभियान की बैठक में उपसंचालक सामाजिक न्याय श्री रोहित बड़कुल द्वारा अभियान के अंतर्गत आबकारी और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई के अंतर्गत तैयार किए गए प्रकरण एवं ज़ब्त की गई अवैध मदिरा की जानकारी दी गई।

खबर संक्षेप

दारू की पार्टी से इंकार किये जाने पर कर दी मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि उसकी बहिन ग्राम पीपरपानी के स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत है और वह अपनी बहिन के पास ही रहता है। बीते हुये दिवस जब वह अपने घर था उसी समय गांव का मनीराम पिता मंहगू चौधरी आया और प्रार्थी से बोला की चलो आज मदन दारू की पार्टी करते है। दारू की पार्टी से प्रार्थी द्वारा इंकार किये जाने के बात को लेकर आरोपी द्वार गंदी गंदी गालिया देते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ईंट का गिट्टा मारकर किया घायल

सांईखेड़ा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम देतपोन निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब में अपनी माँ व भाई लाल सिंह के साथ बैठा हुआ था उसी दोरान पडोस में रहने वाला चतुर अहिरवार, नेपाल अहिवार आये और गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो नेपाल अहिरवार द्वारा ईट का गिट्टा से लाल सिंह के की नाम पर मारते हुये चोटे पहुंचाई। वही चतुर द्वारा प्रार्थी के साथ भी ईट के गिट्टा से मारपीट किये जाने पर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शटक मारते हुये पत्नी को पहुंचाई चोट

सांईखेड़ा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कोसकरपा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ रिर्पोट दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब वह अपने घर पर सब्जी काट रही थी उसी दौश्रान उसका पति रमेश अहिरवार आया और गंदी गंदी गालिया देते हुये बोला के अभी तक खाना नही बनाया है तो पत्नी ने बोला की खाना ही तो बना रही हूं। इसी बात को लेकर पति द्वारा अपनी पत्नी को शटक से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बाइक सबारों को चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सुदरास खैरी निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि वह अपने भाई कैलाश कुशवाहा तथा साथी अनिल ठाकुर के साथ गाडरवारा से मजदूरी करने के बाद वापिस जा रहे थें। उस दौरान मोटर साईकिल कैलाश कुशवाहा चला रहा था। जैसे ही वायपास रोड रईस ढावा के पास पहुंचे तो दोस्त लोग मिल जाने के कारण रूक कर जाने के चलते उसी दौरान एक चार पहिया वाहन क्रमांक MP04CQ2663 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मारकर मार देने के चलते प्रार्थी के भाई कैलाश व साथ अनिल सहित साथ खड़े हुये शेख गफ्फार तथा बुद्व सिंह को चोटे आने के चलते पुलिस ने आरोपी चार पहिया वाहन चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

आटो की टक्कर से घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सिहोरा निवासी युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि वह वीरेन्द्र विश्वकर्मा के साथ अपनी मोटर साईकिल से गाडरवारा से सिहोरा वापिस जा रहे थें। उसी दौरान हनुमान मंदिर गैस एजेन्सी के पास कौडिया की ओर से आ रहे एक आटो रिक्सा चालक द्वारा तेज गित व लापरवाही पूर्वक अपने आटों चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मर दी गई जिसके चलते प्रार्थी सहित साथी को चोटे आने पर पुलिस ने आरोपी आटो रिक्शा चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को दरकिनार करते हुये स्थापित किये गये मोबाईल टावरों में नहीं है कोई सुरक्षा के इंतजाम, रहवासी क्षेत्रों में स्थापित होने से मानव जीवन को बढ़ रहा खतरा....?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर इस समय लोगों में अनेक प्रकार की नई नई बीमारी आये दिन जकड़ते हुए देखी जा रही है, उसका प्रमुख कारण यह माना जाता है कि लगातार बढ़ रही भौतिक बादी सुविधाओं की प्रमुख देन है। क्योंकि जहां लोगों द्वारा खान पान का ध्यान नही रखा जा रहा है, वही दूसरी ओर आमजन के लिए सुविधा जनक माने जाने वाले साधनों से पैदा होने वाली तरंगे भी बीमारियों का प्रमुख कारण साबित होने से नही चूक पा रही है...? वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जिस प्रकार से शहरों में रहवासी क्षेत्रों में जो मोबाईल टाबरों की स्थापना हो रही है जो कही न कही अनेक प्रकार की बीमारियों को बढ़ावा देने में प्रमुख रूप से सामने आने से नही चूक पा रही है? विशेषज्ञो के अनुसार सेल फोन टॉवरों से भी मानव शरीर को विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है, जिसे ध्यान में रखते हुए शायद पूर्व में मा. न्यायलय द्वारा इन्हे स्थापित करने के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन करने का कुछ साल पहले आदेश दिया गया था..। मगर शायद ही उस आदेश का कही पालन होते हुए दिखाई दे रहा हो...? क्योंकि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किये गये अनेक टावरों की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि जहां इन टाबरों में रात के समय लाल सिंग्नल ही नजर नही आ रहे है तो वही दूसरी संबंधित द्वारा न इन टावरों को रख रखाब किया जा रहा है और नही ही इनकी पुताई की जाती है जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि संबंधित विभाग द्वारा इन टाबरों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार से कोई प्रबंध नही किये जाने के कारण आये दिनर देखा जाता है कि लोग इन पर चढ़कर आंतक मचाते हुये भी देखे जाने लगे है..? जिसकी सच्चाई बीते हुये वर्ष गाडरवारा व सांईखेड़ा सहित डोगरगांव पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम पपरा के बाद जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में भी देखने मिल चुकी है...? जबकि नियम के अनुसार इन टाबरों की सुरक्षा के लिये संबंधित कंपनी के द्वारा चौकीदार नियुक्त होता है तो दूसरी ओर ऊँचाई स्पष्ट करने के लिये सफेद व लाल रंग में पोता जाता है? मगर शहर से लेकर गांव गांव स्थापित किये गये इन टाबरों में न तो कोई सुरक्षा कर्मी नजर आते है और न ही इनकी पुताई की जा रही है जिसके चलते लोगों को नजर ही नही आते है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जहां तहां स्थापित होने वाले इन सेल टाबरों से होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर नगरीय क्षेत्रों में सेल फोन टॉवर स्थापित करने के लिये म.प्र. मानव अधिकार आयोग ने कम से कम ऐसे भूखंडों का चयन करने को प्राथमिकता देने की अनुशंसा की गई है, जिनका आकार ढाई सौ फूट हो, इन भूखंडों पर सेल फोन टॉवर के लिये स्थापित की जाने वाली मशीनों और जनरेटर से 100 फूट की त्रिज्या में कोई भी रहवासी आवास न हो और टॉवर स्थापित करने के लिए जनरेटर की चिमनी की ऊंचाई न्यूनतम 30 फूट अथवा पास की ऊंचे आवासीय भवन से 20 फूट अधिक होना चाहिए? वही बताया जाता है कि पूर्व में ही इस संबंध में आयोग ने सिफारिश की गई थी कि ढाई हजार वर्ग फूट तक के आवासीय भूखंडों पर स्थपित टॉवर तत्काल हटाये जाने चाहिये तथा रिहायशी कॉलोनियों में मकानों की छात पर स्थपित टॉवरों से लोगों की जान और माल की क्षति का खतरा बना रहता है। इसलिए टॉवरों की ऊंचाई इतनी हो कि उनके गिरने से कोई जनहानि न हो साथ ही साथ टॉवर स्थापित किये जाने वाले स्थान को वायर फैसिंग और चार दीवारी बनाकर सुरक्षित रखा जाना चाहिये तथा विद्युत या डीजल जनरेटर से संचालित होने वाले टॉवरों में ध्वनि प्रदूषण न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिये? जानकारी के अनुसार आयोग की पहल पर शासन ने सेल फोन टॉवर से निकलने वाली विद्युत चुंबकीय विकिरणों के दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के लिये विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ये विद्युत चुम्बकीय विकिरणें माताओ, गर्भस्था में शिशुओं ओर बालकों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है? मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में निजी कंपनियों द्वारा अपनी मनमर्जी के अनुसार टाबर खड़े कर दिये गये है जहां पर लोग निवास करने के शिक्षण संस्थाओं के आलवा स्वास्थ्य केन्द्र भी मौजूद है। अनेक जगहों पर तो इस प्रकार से देखा जाता हे कि जहां पर सेल फोन टाबर लगे है उन्ही भवनों में स्कूल संचालित हो रहे है साथ ही साथ नगर में अनेक रहवासी इलाकों में टाबर खडे करने से आमजनों के लिए परेशानी का कारण साबित हो रहे है? इस प्रकार से निर्धारित माप दंडो को दर किनार करते हुए शहर से लेकर गांवों में स्थापित किये गये टाबर अपनी सच्चाई खुद ही उजागर करने से नही चूक रहे है? जिनका जहां दिन के समय रंग ही दिखाई न देता है और रात के समय लाल सिंग्नल तक गायब रहता है। वही दूसरी ओर टाबरों के पास किसी भी प्रकार से कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद न रहने के कारण आये दिन लोग इन टाबरों पर चढ़कर हंगामा खड़ा करने से भी नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते लोगों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ होने की संभावना के साथ साथ बगैर सिंग्नल वाले टाबरों से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? जहां तहां स्थापित हो रहे टाबरों को लेकर लोगों का कहना है कि निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों को जरा से धन का प्रलोभन देते हुए उनके भवनों पर टाबर खडा करने के लिए तैयार तो कर लेते है, मगर वह मकान मालिक जरा से धन के लालच में आकर अपने भविष्य को दाब पर लगाने से भी नही चूक रहे है।

सड़क दुर्घटना में हुई एस आई बड़कुर की मौत से साथी पुलिस कर्मियों में देखने मिला शोक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कोई भी शासकीय संस्था हो या फिर पुलिस थाना वहां पर पदस्थ रहने वाले अधिकारी या फिर कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों का निर्वाहन शासन के व कानून के माप दंडों का पालन करते हुये किया जाता है। मगर कुछ अधिकारी इस तरह से होते है जो अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुये आम जनता के दिलों में इस तरह का स्थान बना लेते है कि हर व्यक्ति को अपना पन का अहसास दिलाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की शैली गाडरवारा पुलिस थाने में कुछ माह पहले पदस्थ हुये एस आई नीलेश बडकुर में देखने मिल रही थी। जब लोगों ने सोमवार की सुबह खबर सुनी की सड़क दुर्घटना में नीलेश बड़कुर की मौत हो गई तो लोगों को आसानी से विश्वास नही हुआ और सच्चाई जानने के लिये वह अधिकारियों से संपर्क करने से नही चूके। मगर जब घटना की पुष्टि हुई तो बड़कुर के साथ काम करने वाले साथियों के आलवा नगर के लोगों में इस घटना के चलते शोक का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एस आई नीलेश बड़कुर किसी काम से रायसेन जिले के बरेली मार्ग से जा रहे थें उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन द्वारा उनको इस तरह से टक्कर मारी की बड़कुर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जहां गाडरवारा पुलिस थाने के अनेक अधिकारी व पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटना पर अपना दुख प्रकट किया गया। वही दूसरी ओर घटना को लेकर रायसेन पुलिस द्वारा एस आई नीलेश बड़कुर की मौत पर मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है। इस प्रकार से गाडरवारा पुलिस थाने ने एक जबाज कर्त्तव्य निष्ठ अधिकारी खो दिया गया है। वही दूसरी ओर चंद माह पहले गाडरवारा पुलिस थाने में पदस्थ रहते हुये क्षेत्र की जनता के बीच बड़कुर द्वारा जिस तरह अपनी एक अलग पहचान बनाई गई थी उसके चलते क्षेत्रवासियों द्वारा भी बड़कुर की मौत पर अपना शोक प्रकट करते हुये उन्हें श्रद्वासुमन अर्पित किये गये।

अग्रवाल महिला महासभा द्वारा प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। बीते हुये दिवस दादा धूनी नगरी सांईखेड़ा को अग्रवाल समाज की महिला महासभा कार्यकारिणी के द्वारा बंजारी माता परिसर के शनि वाटिका में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जहां समाज हितों को लेकर अनेक विंदुओं पर चर्चा की गई तो दूसरी ओर पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पौधारोपण करते हुये अब नगर को हरियाली की चुनरी पहचाने का संकल्प लिया गया है। बताया जाता है कि अग्रवाल महिला महासभा द्वारा आयोजित की गई इस बैठक में महासभा कार्यकारणी की अनेक पदाधिकारियों के आलवा समाज के महिलाये मौजूद रही। इस बैठक की शुरुआत भगवान अग्रसेन की पूजन अर्चन के साथ किया गया। वही महासभा की जिला अध्यक्ष श्रीमती रंजना अग्रवाल ने सभी पदाधिकारीयों का पुष्पहारों से स्वागत किया। वही महासभा द्वारा आने वाले समय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के साथ में चर्चा करते हुये कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार की गई। इस मौके पर मुख्य रूप से रंजना अग्रवाल, अंशिता अग्रवाल संगीता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, भूमिका अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, रानू अग्रवाल, दामिनी अग्रवाल, समता अग्रवाल, काजल अग्रवाल, रचना अग्रवाल, साधना अग्रवाल, प्रतिभा अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, अनुराधा अग्रवाल, अनुपमा अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी महिलाये मौजूद रही।

सावन के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में हुये अनेक आयोजन, नर्मदा के ककरा घाट पहुंचकर लगाई डुबकी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस वर्ष देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बारिश के लिये प्रमुख माने जाने वाला आषाढ़ माह में लम्बे अंतराल के बाद मेघों को मेहरवान होते हुये देखा गया है। इस तरह आषाढ़ के मध्य से शुरू हुई बारिश रूकने का नाम नही ले रही है और लगातार हुई बारिश के चलते चारो ओर पानी ही पानी नजर आने से नही चूक पाया है। इस तरह बीते हुये दो दिनों से राहत जरूरी मिली है। इस तरह चल रहे सावन माह में गर्मी व ठंडक के बन रहे संगम के बीच शिव जी की आराधना के लिये प्रमुख माने जाने वाले साबन मास में लोगों में धर्म के प्रति अपनी आस्था में किसी भी प्रकार की कमी दिखाई देने से नही चूक पा रही है। इसी के चलते साबन मास के पहले सोमवार को नगर के शिव मंदिरों में भक्तों द्वारा अनेक धार्मिक आयोजन संपन्न किये गये। वही दूसरी ओर सावन मास के पहले सोमवार को नगर के प्रसिद्व शिव धाम डमरूघाटी पर जहां शिव भक्तों का हुजूम उमड़ते हुए देखा गया। इसके आलवा अन्य शिव मंदिरों में लोगों द्वारा पहुंचकर शिव अभिषेख सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस प्रकार से नगर के विजय कालोनी शिव मंदिर, नर्मदा कालोनी शिव मंदिर, सिंचाई विभाग कार्यालय के शिव मंदिर सहित अन्य जगहों पर स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्तों की भीड़ लगी हुई देखी गई जहां पर लोगों द्वारा अनेक धार्मिक कार्यक्रम करते हुए शिव की भक्ति में

लीन देखे गये। वही दूसरी ओर साबन मास के प्रथम सोमवार को अनेक शिव भक्तों द्वारा माँ नर्मदा के पावन तीर ककरा घाट से काबड़ यात्रा निकाली गई जिसमें शामिल सैकड़ो लोगो ने माँ नर्मदा से लाया गया निर्मल जल भगवान शिवजी को अर्पित किया गया। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि चल रहे सावन मास में इस वर्ष मात्र 4 सोमवार पढ़ने के कारण अब शेष रहे तीन सोमवारों में निश्चित ही शिवधाम डमरूघाटी पर भक्तों का मेला लगने जैसी स्थिति निर्मित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुए सोमवार के दिन शिवधाम डमरूघाटी पर पुलिस व्यवस्था बनाये जाने की मांग की जा रही है। क्योंकि सावन सोमवार को शिवधाम डमरू घाटी पर नगर के आलवा क्षेत्र के गांवों का जन सैलाब भी भारी मात्रा में पहुंचता है। मगर यहां पर किसी भी प्रकार से पुलिस व्यवस्था नही रहने के कारण अनेक मनचले अपनी मनमानी करने से नही चूकते है, जिसके चलते महिला भक्तों को परेशानियों का सामना करते हुए देखा जाता है। इसी बात के चलते आमलोगों द्वारा सावन माह में शेष रहे सोमवारों को शिवधाम में पुलिस डियूटी लगाये जाने की मांग की जा रही है। जबकि देखा जावे तो डमरूघाटी क्षेत्र संपूर्ण प्रदेश में प्रसिद्व होने के कारण यहां पर सावन माह में दूर दूर शहरों के भक्त पहुंचकर शिव जी की आराधना करने से नही चूकते है। इस दृष्टि से पुलिस व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इस बार बडे ही सौभाग्य की बात है कि शिव जी का प्रिय सावन मास की शुरूआत होते ही धार्मिक आयोजनों की धूम दिखाई देना शुरू हो गया थ और पहले सोमवार को शिव भक्तों में अनोखा जोश दिखाई दे रहा है। पहले सोमवार को जिस तरह नगर में किशोर बच्चों द्वारा जिस तरह भक्ति में लीन होकर जिस तरह काबड़ यात्रा निकाली गई वह इस बात का संदेश देने से नही चूक रही थी कि भगवान की आराधना में राजनीति का प्रवेश करना भक्ति पर सबाल खड़े करने से नही चूकता है...? खैर सभी को स्वतंत्रता का अधिकार है जिसकी श्रद्वा जैसी हो...। इसी के चलते सावन माह के पहले सोमवार को शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग शिवजी की आराधना में डूबे हुये दिखाई पड़े। वही समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव सांई मंदिर पर पवित्र सावन मास के चलते संपूर्ण गांव शिव जी की भक्ति में लीन जन आने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर सावन मास के प्रथम सोमवार को अनेक शिव मंदिरों में रूद्री निर्माण का आयोजन किया गया जहां पर गांव के महिलाओं ने पहुंचकर शिवजी के स्वरूप रूद्री का निर्माण करते हुये शिव अभिषेख किया गया। बताया जाता है कि रूद्री निर्माण का यह कार्य सावन मास के प्रति सोमवार को किया जावेगा। इस दौरान शिवजी का अभिषेक कराने के लिये पधारे पंडित वीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि इस कलयुग काल में भगवान शिवजी की जरा से आधरना करने पर वह अपने भक्तों का प्रसन्न होने से नही चूकते है। इस मानव जीवन की नैया को पार लगाना है तो शिवजी की आराधना ही उत्तम मार्ग है।

शहीद नगरी शिक्षा केन्द्र में हुये प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट की बैठक

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की सोच के चलते शिक्षा विभाग के आदेश को लेकर बैठको के माध्यम से जरूरी रूप रेखा तैयार की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस शहीद नगरी चीचली विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि उक्त बैठक में बी आर सी चीचली डी के पटेल ने सभी विद्यालयों में इको क्लब का गठन कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने के आदेश देने के साथ साथ पर्यावरण की रक्षा के लिये एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करने के लिये दिशा निर्देश देने के साथ साथ चाईल्ड ट्रैकिंग ऐप के माध्यम से शाला में नामांकित एवं शाला से बाहर के 6 से 18 आयु वर्ग के छात्रों का सर्वे करना के कार्य पर चर्चा की गई। वही दूसरी ओर गणवेश हेतु छात्रों के बैंक खाते एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपडेट करने के साथ एफ एल एन मेला का आयोजन व मेंटरिंग, बैगलेस डे की गतिविधि आयोजित करने तथा एफ एल एन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित बीएससी अरुण दुबे तथा एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने तथा शाला संचालन में नियमितता के आलवा नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के फॉर्म भरने एवं मैपिंग प्रोफाइल अपडेशन तथा यू डाइस पोर्टल पर कार्य संबंधी चर्चा की गई। वही नवभारत साक्षरता सह समन्वयक लेखराम गौतम तथा सत्यम ताम्रकार द्वारा ने ग्राम बसाहट में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे के साथ अक्षर साथियों का चिन्हांकन तथा सामाजिक चेतना के संचालन तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात कही गई। वही प्रभारी एमआरसी अजय नामदेव द्वारा दिव्यांग छात्रों के यूडीआईडी कार्ड बनवाने एवं उनको मिलने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। इस बैठक में बीएसी अरुण दुबे, एमआईएस दीपक श्रीवास्तव, लेखापाल खुशबू ब्रिजपुरिया, अभिषेक पाराशर, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, संजय सोनी, ललित पाराशर, हेमंत पटेल, हरीश गुप्ता, हरिओम स्थापक, देवकरण रजक, वीरेंद्र रघुवंशी, संजय सिंह राजपूत, नेतराम कौरव, ,कैलाश कहार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अलग अलग स्थानों पर पानी में डूबने से हुई दो किशोरों की मौत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में होने वाला मिट्टी का अवैध खनन निश्चित तौर से वारिष के दिनों में जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी के लिये दुश्मन बनने से नही चूकता है। इस तरह क्षेत्र के अनेक गांवों के समीप हुई मिट्टी के खुदाई के दौरान बने हुये भारी भरकम गड्ढे इस समय मासूम बच्चों के लिये खतरे की घटी बजाने से नही चूक रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये सोमवार को अलग अलग जगहों पर घटित हुई घटनाओं के दौरान दो मासूमों की जान जाने के चलते क्षेत्र में शोक का महौल दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम कामती पिठहरा के बीच पड़ने वाले नाले में ग्राम कामती निवासी दिव्यांश पिता मन मोहन साहू उम्र लगभग 11 साल की डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि दिव्यांश शासकीय स्कूल की कक्षा आठवी का छात्र था। इसी प्रकार से नगर के माता वार्ड निवासी ललिता प्रसाद जाटव का पुत्र अरूण जाटव उम्र लगभग 15 साल अपनी माँ के साथ ककरा घाट नर्मदा स्नान करने के लिये गया हुआ था। जहां अचानक गहरे पानी में चले जाने के चलते गायब हो गया। इस तरह किशोर के नर्मदा में डूबने के चलते उसकी खोजबीन किये जाने के बाद मासूम का शव हीरापुर नर्मदा तट के पास मिला। इस तरह दोनों मासूमों के पानी में डूबने से हुई मौत के चलते जहां नगर सहित क्षेत्र में शोक का महौल देखने मिल रहा था। वही घटनाओं को लेकर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

करौंदी के युवाओं ने अमोलेश्वर धाम अमोल खोह में राष्ट्रीय संत भगतगिरी बच्चू महाराज के साथ किया पौधारोपण

शहपुरा- शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम करौंदी के युवाओं की टीम उमरिया जिले की सीमा में स्थित अमोलेश्वर धाम अमोल खोह पहुंचे । यहां उन्होंने राष्ट्रीय संत भगतगिरी बच्चू महाराज के साथ पारिजात व आंवला के पौधे का रोपण किया। युवा समाजसेवी ईश्वर साहू ने बताया कि आज हमने अमोलेश्वर धाम अमोल खोह में आंवला और पारिजात का पौधा भगत गिरी बच्चू महाराज के साथ लगाए हैं। हम सभी लोगों से अपील करते हुए कह रहे हैं कि आप भी पौधारोपण अवश्य करें और प्रकृति का संरक्षण करें। बच्चू महाराज ने कहा कि पारिजात के पौधे और वृक्ष के बारे में हमारे पुराणों में भी वर्णन आता है। वहीं आंवला भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। पौधारोपण के दौरान ईश्वर मंजा साहू, दुर्गेश दाऊ साहू , राजकुमार लकी साहू ,आशीष, गुरु, रज्जू जग्गू मौजूद रहे।

सावन के पहले सोमवार शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

अमरपुर। विकासखण्ड मुख्यालय अमरपुर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को श्रावण मास के पहले सोमवार को भगवान शिव की भक्ति प्रकृति के श्रृंगार से जुड़े श्रवण मास का पहले ही सोमवार को अलसुबह से ही शिव मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक करने का दौर शुरू हुआ जोकि निरंतर चलता हैं। पहले ही सोमवार शिव मंदिरों में भक्तजनों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। इसके साथ ही अब पूरे सावन माह शिव आराधना का दौर निरंतर चलता रहेगा। हर शिव मंदिरों में हर हर महादेव के गुंज सुनाई देने लगी हैं। सावन सोमवार को शिवालयों का नजारा कुछ और ही देखने को मिल रहा हैं। वहीं पर महिलाएं सावन सोमवार का उपवास रखकर भगवान शिव से अनेक पति की लंबी आयु का कामना कर रही हैं।

सरपंच ने साथियों के साथ पिता व पुत्र को पीटा

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जिर्री में मारपीट का एक वीडियो वारयल हो रहा है जिसमें सरपंच और उसके साथियों द्वारा आदिवासी पिता-पुत्र की पिटाई की जा रही है। यह घटना 9 जुलाई की शाम को ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के डूडंहा मोड़ पर हुई। रविवार सुबह घटना का वीडियो सामने आया। इसमें कुछ लोग दो लोगों को पीटते नजर आ रहे हैं। जिर्री ग्राम पंचायत के सरपंच महेश यादव, उनके भाई चूड़ामणि यादव और योगेंद्र यादव ने बिजौरी ग्राम निवासी अजय सिंह मार्को और उसके पिता राममिलन मार्को पर हमला किया। वायरल वीडियो में तीनों आरोपी लाठी-डंडों से पीड़ित को पीटते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित अजय सिंह का आरोप है कि चूड़ामणि यादव उनकी भतीजी पर गलत नीयत रखता है। इसका विरोध करने पर उन्होंने हमला किया। घटना उस समय हुई जब अजय अपने पिता के साथ खमतरा बाजार जा रहे थे। आरोपी कार से आए और रास्ता रोककर गाली-गलौज की। इसके बाद तीनों ने मिलकर पिता-पुत्र को पीटा। हमले में अजय को कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। बताया जाता है कि पुलिस द्वारा दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डिण्डोरी में नल-जल योजना बनी घोटाले का गढ़!

करोड़ों की राशि हड़पने का आरोप, कार्यपालन यंत्री पर कार्रवाई की मांग

डिण्डोरी।

आदिवासी बाहुल्य डिण्डोरी जिले में ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये की लागत से नल-जल योजना चलाई थी, लेकिन अब यह योजना भ्रष्ट अधिकारियों के लिए अवैध कमाई का साधन बन गई है। जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री पर योजना की राशि का घोर दुरुपयोग कर फर्जी भुगतान कराने का गंभीर आरोप लगा है।

ग्रामीणों से प्राप्त शिकायत अनुसार अधिवक्ता सम्यक जैन ने इस संबंध में मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन सहित प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग और प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को एक विस्तृत शिकायत पत्र भेजकर कार्यपालन यंत्री के खिलाफ विभागीय जांच, तत्काल निलंबन, तथा आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ और लोकायुक्त में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

पाइपलाइन गायब, पानी टंकी अधूरी

ग्रामीणों के अनुसार, जिले के दर्जनों गांव आज भी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। कहीं पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू ही नहीं हुआ, कहीं अधूरी पाइपलाइन जंग खा रही है, तो कहीं पानी टंकियां खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं। इसके बावजूद शासकीय रिकॉर्ड में सभी कार्य पूर्ण दिखाकर करोड़ों रुपये आहरित कर लिए गए। विभागीय सूत्रों के अनुसार माप पुस्तिकाओं में फर्जी आंकड़े भरकर भुगतान की फाइलें पास कर दी गईं।

अपराध की श्रेणी में आता है कृत्य

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह कृत्य भारतीय दण्ड संहिता की धारा 409 (शासकीय कर्मचारी द्वारा विश्वासघात), धारा 420 (धोखाधड़ी), धारा 468 और

471 (कूटरचना और कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग) और धारा 120बी (षड्यंत्र) के तहत स्पष्ट रूप से दण्डनीय अपराध है जो अब भारतीय न्याय सहींता में परिवर्तित हो गया है. इसके अलावा यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) के तहत शासकीय कर्मचारी द्वारा आपराधिक कदाचार की श्रेणी में भी आता है।

लोकायुक्त और EOW में शिकायत की तैयार

अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द जांच समिति गठित कर आरोपी अधिकारी को निलंबित नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वे यह मामला सीधे लोकायुक्त संगठन और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के समक्ष रखेंगे। शिकायत में यह भी मांग की गई है कि यदि दोष सिद्ध होता है तो गबन की गई पूरी राशि आरोपी से ब्याज सहित वसूल कर योजनाओं को दोबारा पूरा कराया जाए।

गांवों में पेयजल संकट बरकरार

जिले के कई गांवों में अभी भी महिलाएं और बच्चे मीलों दूर जाकर पानी ढोने को मजबूर हैं। ग्राम पंचायतों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभाग को लिखित में अवगत कराया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। वर्तमान में अधिवक्ता के आवेदन पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन को नोटिस भेज कर जानकारी चाहि गई है जिससे विभाग में हड़कंप की स्तिथि बनी हुई है.

जनप्रतिनिधियों ने भी उठाई आवाज़

कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस मुद्दे को लेकर कलेक्टर को लिखा उनका कहना है कि अगर ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की साख पर बट्टा लगेगा और जनता का भरोसा उठ जाएगा।

अधिकारी जिम्मेदार

सरकारी अधिकारी सार्वजनिक धन और संसाधनों के प्रबंधन के लिए जवाबदेह होते हैं। यदि वे अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं या ठेकेदार को अनुचित रूप से दोषी ठहराते हैं, तो यह कर्तव्य में लापरवाही माना जाता है. उक्त अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच व अनुशासनात्मक कार्रवाई, होनी चाहिए.

कब होगी कार्रवाई?

अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण पर कितना त्वरित और प्रभावी कदम उठाता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उचित समय में कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े आंदोलन की राह पर उतरने को बाध्य होंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक सम्पन्न

डिंडौरी । कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रकरणों और विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही या देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ देने पर बल दिया गया। अवैध गतिविधियां: मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु स्थापित चेक पोस्ट की प्रभावशीलता की समीक्षा की गई। अवैध खनन, अवैध मरम्मत, अनुकरण और परिवहन गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जनकल्याण योजनाएं: पेंशन, समग्र रजिस्ट्रेशन, बीज-खाद वितरण जैसी योजनाओं के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निपटाने पर बल दिया गया। शिक्षा विभाग: सर्वशिक्षा समन्वयक श्री रावेन्द्र मिश्रा को जिले की जर्जर प्राथमिक-माध्यमिक शालाओं की सूची प्रस्तुत करने तथा शिक्षा पोर्टल पर कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्रों के नाम 100% अपलोड करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य: सर्पदंश उपचार हेतु सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने और लापरवाही बरतने वालों पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए।अतिक्रमण: विद्युत विभाग की भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने हेतु तहसीलदार व एसडीएम की उपस्थिति में कार्यवाही के आदेश। राशन वितरण: गरीब राशन कार्ड धारकों को सामग्री समय पर मिले तथा उचित मूल्य की दुकानों पर अवैध बिक्री रोकने हेतु छापामार कार्यवाही के निर्देश। नल-जल योजना: नल-जल कार्य के चलते सड़कों पर बने गड्ढों को समय पर भरने में लापरवाही बरतने पर पीएचई विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। ई-ऑफिस: जिन विभागों ने अब तक ई-ऑफिस प्रणाली को लागू नहीं किया है, उन्हें शीघ्र इस प्रणाली को अपनाने को कहा गया।

अतिरिक्त निर्देश:

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्काल निराकरण अनिवार्य किया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी सड़कों की स्थिति का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश एसडीएम को दिए गए। जिले में संचालित यात्री वाहनों की फिटनेस एवं परमिट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने को कहा गया। समय सीमा के प्रकरणों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी गई। सोमवार के दिन किसी अधिकारी-कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा विभागीय कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

जर्जर मकानों पर चला नगर परिषद का बुलडोजर: शहर की सुरक्षा के लिए बड़ा अभियान शुरू

डिंडोरी । शहर के पुराने और खस्ताहाल मकानों के खिलाफ नगर परिषद ने एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत जर्जर और जानलेवा हो चुकी इमारतों को चिन्हित कर उन्हें ध्वस्त किया जा रहा है। परिषद का यह कदम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

अभियान की पृष्ठभूमि और उद्देश्य

नगर परिषद के अधिकारियों के अनुसार, शहर में अनेक दशकों पुराने मकान ऐसे हैं जो अब खतरनाक स्थिति में पहुंच चुके हैं। बरसात, भूकंप या किसी अन्य आपदा की स्थिति में ये मकान ढह सकते हैं, जिससे जान-माल को गंभीर नुकसान हो सकता है।

इस खतरे को भांपते हुए नगर परिषद ने शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए यह विशेष अभियान चलाया है। इसके अंतर्गत अनधिकृत निर्माण और खतरनाक इमारतों को हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

कार्रवाई की प्रक्रिया

कार्रवाई की शुरुआत शहर के सर्वेक्षण से की गई, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की टीम ने जर्जर मकानों की पहचान की। चिन्हित मकानों के मालिकों को पहले नोटिस जारी किए गए। उन्हें मकान खाली करने और स्वेच्छा से मरम्मत या ध्वस्तीकरण का समय दिया गया। जिन मकान मालिकों ने निर्धारित समयसीमा में कोई कार्रवाई नहीं की, उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए गए। परिषद की टीमें जेसीबी और अन्य मशीनरी के साथ मौके पर पहुंचीं और कई जर्जर इमारतों को गिरा दिया गया।

नागरिकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया

नगर परिषद के इस अभियान को लेकर शहरवासियों की राय बंटी हुई है। कई लोग इसे स्वागतयोग्य कदम मानते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया, "हमारे मोहल्ले में एक मकान लंबे समय से खतरनाक स्थिति में था। बच्चे वहां खेलते थे, जिससे हादसे का डर बना रहता था। परिषद की कार्रवाई से अब राहत मिली है।"वहीं कुछ मकान मालिक असंतोष भी जता रहे हैं।

भविष्य की योजनाएं और सहायता विकल्प

नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान शुरुआती चरण में है और आने वाले महीनों में अन्य इलाकों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, अवैध और अनधिकृत निर्माणों पर नजर रखने के लिए भी विशेष निगरानी दल गठित किए गए हैं।

चुनौतियां और समाधान

अभियान के दौरान परिषद को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ स्थानों पर स्थानीय विरोध देखने को मिला है, वहीं कुछ मकान मालिकों ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए एक

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

स्थापित किया गया है, जहां नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में यह कदम नगर परिषद के लिए एक साहसिक पहल है। हालांकि चुनौतियां अनेक हैं, लेकिन यदि परिषद पारदर्शिता और जन सहयोग के साथ यह अभियान जारी रखे, तो यह शहर की दशा-दिशा बदल सकता है।

जनजातीय कल्याण केंद्र और अमरकंटक केन्द्रीय विवि के बीच ऐतिहासिक एमओयू सम्पन्न

डिंडोरी । 14 जुलाई 2025 —जनजातीय समाज को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत @2047 के निर्माता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जनजातीय कल्याण केंद्र महाकौशल एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के मध्य आज सावन के सोमवार को एक अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता (MoU) सम्पन्न हुआ। यह समझौता शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, जनकल्याण, वैचारिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता जैसे छह परिवर्तनकारी स्तंभों पर आधारित है, जो जनजातीय नवजागरण की ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी ने कहा कि यह समझौता केवल औपचारिक अनुबंध नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, संवैधानिक मूल्यों और आत्मनिर्भर भारत की त्रयी का जीवंत और क्रांतिकारी स्वरूप है। इसमें संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ, पाठ्यक्रम विकास, जनजातीय उद्यमिता मॉडल, तकनीकी साझेदारी और वैश्विक स्तर पर जनजातीय पहचान के ब्रांडिंग की ठोस कार्ययोजनाएँ सम्मिलित हैं। उन्होंने यह भी दृढ़तापूर्वक कहा कि "कोई भी जनजातीय युवा पीछे न रहे—यह समझौता हर क्षेत्र में उनकी सक्रिय और गरिमामयी भागीदारी सुनिश्चित करेगा।" यह समझौता वनोपज आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण, संयुक्त प्रमाणपत्र आधारित कौशल विकास, जनजातीय नवाचार केंद्रों की स्थापना और स्थानीय संसाधनों व पारंपरिक जीवनशैली से जुड़े उद्यमिता कार्यक्रमों को गति प्रदान करेगा। साथ ही नीति सुझाव, संवैधानिक अधिकारों पर जागरूकता, और जल-जंगल-जमीन, शिक्षा और रोजगार से संबंधित योजनाओं पर संवाद के माध्यम से जनजातीय समाज को वैचारिक रूप से सशक्त किया जाएगा। यह समझौता युवाओं को नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले उद्यमी के रूप में विकसित करने का आत्मविश्वास प्रदान करेगा।

डॉ. एम.एल. साहू, अध्यक्ष, जनजातीय कल्याण केंद्र महाकौशल ने अपने वक्तव्य में बताया कि इस एमओयू के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में बेसलाइन और आवश्यकताएं मूल्यांकन सर्वेक्षण, आयुष मंत्रालय के सहयोग से स्वास्थ्य मॉडल का विकास, और जनजातीय ज्ञान-संसाधन पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुपोषण, मातृ मृत्यु दर, सिकलसेल, थैलेसीमिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों पर विशेष ध्यान देते हुए 'स्वस्थ जनजाति समाज, समर्थ भारत' की अवधारणा को साकार किया जाएगा। इसके साथ ही लोककला, लोकगीत, चित्रकला, पारंपरिक हस्तशिल्प और मौखिक परंपराओं को डिजिटल आर्काइव, संग्रहालयों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से वैश्विक मंच पर स्थापित किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख श्री राजकुमार मटाले, कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी, अध्यक्ष डॉ. एम.एल. साहू, स्वदेशी शोध संस्थान के राष्ट्रीय सचिव प्रो. विकास सिंह, अधिवक्ता ज्ञानेंद्र सिंह, शिशिर सिंह बिसेन, श्याम जी, जम सिंह जी, श्रवण पटेल, डॉ. दिग्विजय फुकन, डॉ. धर्मेन्द्र झारिया सहित अनेक शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह समझौता जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में भारत के समावेशी विकास हेतु एक प्रेरणादायक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

अमरपुर पशु चिकित्सालय हेतु भूमि आवंटन पश्चात भवन निर्माण नहीं हो

अमरपुर। शासन द्वारा कृषि सह व्यवसाय को प्राथमिकता देते हुए पशुपालकों को अनुदान स्वारूप प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री मध्य शासन द्वारा की गई हैं। परंतु पशुओं को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध ही नहीं हैं। जबकि अमरपुर ब्लॉक मुख्यालय में पशु चिकित्सालय भवन निर्मित था और चिकित्सक भी पदस्थ रहे। परंतु वर्तमान समय में पुराना भवन जीर्ण शीर्ण हो चुका हैं। और चिकित्सक भी नहीं हैं। इस समय चिकित्सालय पुराने ग्राम पंचायत के एक छोटे से कमरे में संचालित हो रहा हैं। जहां तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मार्ग भी नहीं हैं। जिसके लिए भवन निर्माण हेतु शासकीय भूमि की मांग की गई थी। भूमि आवंटन हेतु न्यायालय अपर कलेक्टर डिंडौरी में राजस्व मामला क्रमांक 12 (अ)-19/3) 11-12 दर्ज कर नायब तहसीलदार को प्रतिवेदन मांगा गया। नायब तहसीलदार की जांच के दौरान इश्तिहार का प्रकाशन किया गया। समय अवधि में आपत्ति ना आने पर प.ह.नं. 74 ग्राम अमरपुर की घास मद की भूमि खसरा नंबर 390 रकवा 1.14 हेक्टर में से 0.02 हेक्टर ग्राम पंचायत की ग्राम सभा बैठक दिनांक 14/4/2012 के प्रस्ताव क्रमांक 36 अनुसार उक्त भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव किया गया था। इन्हीं आधार पर म.प्र.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 234 के प्रावधान अनुसार पशु चिकित्सालय भवन निर्माण हेतु खसरा नंबर 390 रकवा 1.14 हेक्टेयर में से 0.02 हेक्टेयर भूमि म. प्र. पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग को हस्तांतरित आदेश दिनांक 7/5/2012 को किया जा चुका हैं। फिर भी पशुओं की उपचार हेतु एक भवन नहीं बनाया जा सका हैं। भवन निर्माण एवं चिकित्सक पदस्थ करने की जनअपेक्षा क्षेत्रीय कृषकों के द्वारा की गई हैं।

25 किलोमीटर दूर मां नर्मदा से कांवड़ में जल भरकर पहुंचे कांवड़िए

भगवान भोलेनाथ का मां नर्मदा जल से किया जलाभिषेक

डिंडौरी । जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम कंचनपुर के कांवड़ियों द्वारा मां नर्मदा से जल लाकर सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक किया जाता है । वहीं इस साल भी श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दिन सुबह से कांवड़िये अपने-अपने कांवड़ में जल भरकर 25 किमी दूर कनई - नर्मदा संगम मालपुर घाट पहुंचे जहां से अपने कांवड़ लेकर मालपुर से डुंगरिया ,अमेरा ,बड़झर, अमठेरा, बरगांव, करौंदी होते हुए बैंडबाजों व डीजे के साथ पदयात्रा कर कंचनपुर पहुंचे । जहां पर ग्रामीणों द्वारा कांवड़ियों का धूमधाम से स्वागत किया गया । तत्पश्चात भगवान देवाधिदेव महादेव में जलाभिषेक कर पूर्णाहुति की गई । वहीं भंडारे का भी आयोजन किया गया था इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे । कांवड़ियों सहित ग्रामीणों ने अंत में भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्यलाभ अर्जित किये । कांवड़ यात्रा में टूमलाल साहू, चंद्रकांत साहू, संतोष साहू, काशी झारिया, शशिकांत साहू, सहित बड़ी संख्या में कांवरिये व ग्रामवासी रहे ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बीएलओ तथा पर्यवेक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के मार्गदर्शन में 119 नरसिंहपुर विधानसभा के समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर का सात दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन ई दक्ष केंद्र जनपद पंचायत नरसिंहपुर में किया जा रहा है इस प्रशिक्षण में आकाश डहारे प्रभारी तहसीलदार नरसिंहपुर प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम विनोद कोरी निर्वाचन पर्यवेक्षक सरोज मसराम कानूनगो तहसील नरसिंहपुर अखिलेश वर्मा कानूनगो तहसील करेली कपिल शर्मा मास्टर ट्रेनर विधानसभा स्तर के निर्देशानुसार विकास श्रीवास्तव आशीष दुबे विकास मेहरा अखिलेश राजोरिया मास्टर ट्रेनर राम कुमार साहू अशोक चैधरी सहायक प्रोग्रामर नितिन सोनी श्रीमती नेहा पटेल विकास चैरसिया द्वारा प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है।

नशीले पदार्थों के विक्रय पर लगाए रोक, एसडीओपी से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव । विगत दिवस नगर के स्थानीय समाजसेवी संगठन ने नवागत एस डीओपी से मुलाकात क्षेत्र मे हो रहे अवैध नशीले पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाने की मांग रखी। हमारा समाज आज जिन सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहा है उसमे नशा, अपराध, महिला सुरक्षा व युवाओं का भटकाव प्रमुख है इन समस्याओं से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के पदाधिकारी जिसमें जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती स्नेह लता श्रीवास्तव घनश्याम लोधी नरेश मरावी प्रभा विश्वकर्मा मंजुला गुप्ता अनिता राय ने नव नियुक्त अधिकारी मनीष त्रिपाठी से भेंट की एवं सामाजिक बुराइयों को दूर करने हेतु उसमें उनका सहयोग करने एवं मिलकर कार्य कार्य करने का आश्वासन दिया।

सड़क हादसे मे व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र सुआतला के बिछुआ निवासी पोहप सिंह पिता ललता प्रसाद पटेल उम्र 57 वर्ष को नेशनल हाईवे 45 पर जमुनिया और पड़रिया के बीच किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसे उपचार हेतु जिला अस्पताल लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डॉक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

अतिवर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में कड़ी रखें निगरानी

पेंशन प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से हो: कलेक्टर

समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने समय सीमा की बैठक के दौरान कहा कि विभाग प्रमुख अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज विभिन्न प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक दर्ज करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में डी कैटेगरी में आने वाले विभागों को सुधार करने के निर्देश दिये, जिससे उक्त प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर ए कैटेगरी में आ सके। विभाग प्रमुखों को सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि तथा गुणवत्ता पूर्वक दर्ज करना होगा। कलेक्टर श्रीमती पटले सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रही थी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में पेंशन प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभागों में लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

ई- केवायसी की प्रगति समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में विभागों द्वारा ई- फाईल सिस्टम की समीक्षा की। उन्होंने समस्त अधिकारियों को ई- फाईल के माध्यम से फाइलें प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ई- केवायसी की प्रगति के संबंध में समीक्षा की गई। विभागीय अधिकारियों को ई- केवायसी के प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने को कहा गया। आयोजित बैठक में जिले में आधार सत्यापन के संबंध में भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में विभागों द्वारा भूमि आवंटन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने विभागों के मांग के अनुरूप राजस्व विभाग को भूमि आवंटन करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने खाद्य विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के ई- केवायसी के संबंध में भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ई- केवायसी के कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में जिले की उचित मूल्य की दुकानों से राशन वितरण की स्थिति, राशन की उपलब्धता और वेयर हाऊस की भी समीक्षा की गई।

अस्पतालों मे हो दवाईयों की उपलब्धता

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि मत्स्य विभाग के द्वारा समस्त समितियों के बैंक खाते अनिवार्य रूप से खुलवाया जाए, जिससे समितियां बैंकों के माध्यम से लेन-देन का कार्य कर सकें। उन्होंने जिले में वर्षा की स्थिति को देखते हुए मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु जल स्त्रोतों तथा पेयजल स्त्रोतों में छिड़काव करने के निर्देश दिये, जिससे कोई भी नागरिक दूषित जल का उपयोग न कर सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा अस्पताल की स्थिति और दवाईयों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। आयोजित बैठक में राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। राजस्व विभाग में सीमांकन संबंधित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

जर्जर भवनों पर रखे निगरानी

कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले में बाढ़ एवं अतिवर्षा से आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल, उचित मूल्य दुकान और अस्पतालों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों या स्कूलों में पानी भराव की स्थिति है या क्षतिग्रस्त होने की संभावना है, उन्हें अन्यंत्र स्थांतारित करें, जिससे किसी भी प्रकार की घटना- दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने- अपने कार्य क्षेत्रों के अंतर्गत नदी-नालों एवं पुल-पुलियो की स्थिति और शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर भी निगरानी रखें। उन्होंने इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्टॉफ एवं दवाईयों की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली।

जगह जगह हुये शिव अभिषेक

अखंड रामायण पाठ संगीतमय सुंदरकांड पाठ

तेंदूखेड़ा भगवान भोलेनाथ की आराधना का पावन पुनीत मास श्रावण मास के पहले सोमवार को जगह-जगह भगवान भोलेनाथ के अभिषेक पूजन अर्चन किये गये। शिवालयों में सुबह से ही अच्छी खासी भीड़ भाड़ देखने को मिली। महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किया गया। वहीं जगह जगह अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। रात्रि के समय श्री राम रसिया भक्त मंडल के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ की श्रंखला चलाई जा रही है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं।नगर में धार्मिक वातावरण देखने को मिल रहा है।

सावन सोमवार पर हुई भगवान का पूजन अर्चन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सावन माह के पहले सोमवार को नरसिंह मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में पहुंचे। यहां पर प्रतिदिन पंडित जवाहर दुबे के मार्गदर्शन में प्रातः 10 बजे से भगवान शंकर जी का अभिषेक पूजन हो रहा है। साथ ही सावन माह के महत्व को बताया जा रहा है।

हर हर महादेव के जयकारे गूंजे शिवालय

नरसिंहपुर/ गोटेगांव। सावन के पहले सोमवार को लोग भगवान भोलेनाथ की भक्ति मे लीन नजर आए। सुबह से ही नगर के शिव मंदिरों में जोर-जोर से तैयारी की गई। और सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया जहां विशेष पूजा अर्चना के साथ रुद्राभिषेक होने लगे। नगर के बड़े पुल स्थित शिव मंदिर, काली मंदिर, नरसिंह मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को उमड़ने लगी। सावन का पहले सोमवार को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। भोलेनाथ के दर्शन और पूजा करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में मंदिरों में आने लगे हैं। मंदिरों में जहां शिव पूजा के साथ मानस पाठ सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए जो पूरे सावन मास चलेंगे। सावन में शिव भक्तों के द्वारा अपने अपने घरों में रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, भजन कीर्तन के साथ विशेष पूजा के आयोजन भी किए जाएगे। पंडित श्यामकृष्ण चौबे के अनुसार सावन भोलेनाथ का प्रिय माह है पूजा पाठ अनुष्ठान तीर्थ स्थल दर्शन से पुण्य कामों का खास फल मिलता है सावन मास भक्तों के लिए बहुत ही शुभ फलदायक माना गया है। वही गोटेगांव मे भी नगर स्थित लोक निर्माण विभाग परिसर पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में भी महिलाओं ने शिवालय में पूजन-अर्चन करने के उपरांत घर में मिट्टी के शिवलिंग निर्माण कर महाअभिषेक पूर्ण विधि विधान मंत्र उच्चारण के साथ पूजन अर्चन किया साथ ही सुख समृद्धि के लिए अपनी परिवार में बनी रहे जिसकी प्रार्थना भोले बाबा से की भोले बाबा के इस व्रत का महत्व बताते हुए श्रीमती अदिति साहू ने बताया कि बाबा के व्रत करने से जिसकी जो भी मनोकामना होती है वह बाबा पूर्ण करते हैं साथ ही इस व्रत का महत्व और इसलिए बढ़ जाता है कि श्रावण मास में जब दिन सोमवार होता है तो यह और भी पुण्य दायक बन जाता है इसको करने से बाबा सारी दुख तकलीफै को दूर करते हैं इस अवसर पर श्रीमती आशीष-अदिति साहू, श्रीमती विमला, शरद साहू मुस्कान साहू, श्रीमती दिलीप मीना खर्चे सहित अन्य महिलाएं श्रद्धालु बंधु उपस्थित थी।

किसान संघ द्वारा मूंग उर्पाजन को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पंजीकृत किसानों के ग्रीष्मकालीन मूंग उडद उपार्जन करने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। भारतीय किसान संघ ने कृषि व किसानों से संबंधित समस्याओं को लेकर सौंपे गए ज्ञापन उल्लेख किया है कि नरसिंहपुर जिले में गत वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग उड़द उपार्जन हेतु लगभग 41 उपार्जन केंद्र तय किये गये थे जबकि इस वर्ष पिछले वर्ष की अपेक्षा 16000 अधिक पंजीयन हुये है इसलिये सभी उपार्जन केंद्र शीघ्र चालू करवाये जायें, जिससे समय सीमा में खरीदी हो सकें एवं सभी उपार्जन केंद्र पर एफ.ए.क्यु. गुणवत्ता मापदण्ड का बोर्ड लगाया जावे। नरसिंहपुर तहसील में जो उपार्जन केंन्द्र चिन्हित किये गये है उनकी शीघ्र स्लाट बुक करने की व्यवस्था की जावे जिससे स्लाट बुक हो सके एवं उनकी तुलाई की व्यवस्था शीघ्र की जा सके। केंदों में जितने दिन विलंब से खरीदी चालू हुई है उतने दिन उपार्जन की समयावधी बढाई जावे। उपार्जन केंदों पर समय समय पर तौल कांटों की जाँच की जायें इस हेतु समिति गठित की जाये। केंद्रों पर किसानों को बैठने, पानी पीने एवं शौचालय की व्यवस्था की जावें। किसानों को उपार्जन केंदों में आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु टोलफरी नम्बर जारी किया जावें। युरिया डी.ए.पी. किसानों को उपलब्ध कराया जावें क्योंकि सहकारी समितियों में भी खाद उपलब्ध नही है शीघ्र खाद की व्यवस्था की जावे। उपरोक्त समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जावे अन्यथा भारतीय किसान संघ आंदोलन की ओर अग्रसर होगा। ज्ञापन सौंपते समय स्वदेश कोठारी प्रांत मंत्री, अनिरुद्ध पटेल संभाग अध्यक्ष ,संतोष राय जिला अध्यक्ष ,विष्णु प्रसाद पटेल कोषाध्यक्ष, चंद्रभान पटेल जिला ऊर्जा प्रमुख, शारदा सिंह पटेल उपाध्यक्ष ,गोधन पटेल तहसील अध्यक्ष गिरधारी पटेल के भारतीय किसान संघ के कई सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

पुस्तकालय में मनाई गई जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस स्थानीय हरि विष्णु कामथ पुस्तकालय में पूर्व सांसद हरि विष्णु कामथ की एक सौ अठारहवीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूर्व राज्य सभा सांसद कैलाश सोनी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। सबसे पहले कामथ जी के चित्र पर कैलाश सोनी ने माल्यार्पण किया तत्पश्चात उपस्थित सभी विशिष्ट नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी जनों की ओर से कामथ जी राजनीति सहयात्री लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने अपने वक्तव्य में संविधान निर्मात्री समिति के सम्मानित सदस्य हरि विष्णु कामथ के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार नारायण श्रीवास्तव व आभार प्रदर्शन भाजपा मंडल अध्यक्ष जित्तू स्वामी ने किया।

रेलवे स्टेशन अज्ञात व्यक्ति की मिली लाश

नरसिंहपुर। गत दिवस स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर आज एक अज्ञात व्यक्ति बेहोशी की हालत में पर डला हुआ था जिसकी सूचना रेलवे अस्पताल को प्राप्त हुई। ट्रेन नंबर 1296 के इंजन के पास वाली कोच के पास एक अज्ञात व्यक्ति बीमार था। जिसको अर्जेंट डॉक्टर आर आर कुर्रे द्वारा देखा गया। डॉक्टर कुर्रे ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति जिसकी उम्र करीब 40 वर्ष के आसपास है जांच करने पर मृत पाया गया। जिसके शव को जीआरपी थाना के सुपुर्द कर दिया गया। जीआरपी द्वारा रेलवे स्टेशन से मृत अवस्था में पंचनामा कार्रवाई कर शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया। शव की शिनाख्त होने पर पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

गंदगी से सराबोर दुकानों मे बिक रहे खाद्य पदार्थ

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव। नगर में खाद्य अधिकारी की लगातार लापरवाही पड़ सकती हैं आमजन पर भारी होटल व खाद्य पदार्थों की बिक्री के लिए चिकित्सीय परीक्षण की होती हैं अतिआवश्यकता मिलावट युक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री से आमजन को गंभीर बीमारी होने की आशंका जानकारी के लिए बता दूं कि फूड विभाग अधिकारी पदस्थ लंबे समय से हैं लेकिन उन्हें मिली जिम्मेदारी का कोई भी अहसास नहीं हैं ऐसा प्रतीत होता हैं चैन की नींद सो रहे फूड अधिकारी प्रत्येक तहसील में एक फूड अधिकारी को पदस्थ किया जाता हैं जिससे शहर में किसी भी प्रकार की मिलावटी सामग्री की बिक्री न हो सके लेकिन फूड अधिकारी की उदासीनता का परिणाम आमजन को भुगतना होगा दूध डेयरी संचालक अपनी अपनी गोदामों में मशीन लगाकर रखें हैं जिससे दूध की क्रीम निकालकर उसमें अनेकों केमिकल मिलाकर बिना किसी भय के पूरी निर्भीकता से आमजन को चुना लगा रहे हैं होटलों में कढ़ाई की सफाई नियमित नहीं होती जो सोया तेल उपयोग किया जाता हैं उसकी गुणवत्ता का एक मानक निर्धारित हैं लेकिन उन मानकों का कोई भी दुकानदार पालन नहीं करता एक ही तेल लगातार उस कड़ाई में उबलता रहता हैं जिससे कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती हैं चुकी फूड अधिकारी की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं होती उसका परिमाण आमजन को भुगतना होता हैं।

इनका कहना

मैंने अनेकों दुकानों से सैंपल्स लिए हैं कुछ की जांच रिपोर्ट आ गई हैं कुछ जांच रिपोर्ट आना बाकी हैं मैं कल तक बता पाऊंगी कि किसकी जांच रिपोर्ट में क्या आया हैं।

सारिका दुबे
फूड अधिकारी

बम्होरी में शांतिधाम पर रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बम्होरी- तिंदनी के नेतृत्व ग्राम बम्होरी के शांतिधाम परिसर में आम, जामुन, पीपल, अमरुद एवं अशोक आदि के 51 पौधों का रोपण किया। अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर की नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, सी एम सी एल डी पी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों व परामर्शदाताओं, धार्मिक, सामाजिक व स्वैच्छिक संगठनों और आम नागरिकों के माध्यम से पौधरोपण किये जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद, नवांकुर संस्था ब्रह्मर्षि वशिष्ठ शिक्षण प्रशिक्षण एवं सेवा समिति नरसिंहपुर के संस्थापक सदस्य आनंद दुबे, नवांकुर संस्था बम्होरी- तिंदनी के अध्यक्ष तेजबल पटेल, सचिव अंकित पटेल, समिति के सदस्य व नागरिक मौजूद थे।

किरार समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान

राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल रहे उपस्थित

तेंदूखेड़ा विगत दिवस किरार समाज समीति के तत्वावधान में तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी परिसर में कक्षा दसवीं और बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले किरार समाज के छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सरस्वती देवी तथा भगवान बलराम के पूजन अर्चन से शुरू हुये इस कार्यक्रम में किरार समाज समीति के पदाधिकारियों द्वारा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एवं विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल का शाल श्रीफल तथा भगवान बलराम का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के देवेन्द्र पटेल धनंजय पटेल तथा नगर परिषद की हेमलता पटेल भी प्रमुख रुप से मंचाशीन रहीं।इस मौके पर राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने सभी स्वाजातीय छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुये सम्मानित सभी छात्रों को अपनी निधी से 2500 रुपये की राशि प्रति छात्र देने की घोषणा की गई साथ ही आगे भी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पढ़ाई को सहयोग तथा आने वाली समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

किरार समाज भवन को विधायक निधि से 5 लाख की घोषणा कार्यक्रम में उपस्थित विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने अपने क्षेत्र के मेधावी छात्र छात्राओं की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि छात्रों की मेहनत से आगे सफलता तो प्राप्त करते ही हैं साथ साथ क्षेत्र भी गौरवान्वित होता है। शिवराज सिंह सरकार के द्वारा छात्रों की बेहतरी के भरसक प्रयास किए वहीं मोहन यादव सरकार भी छात्रों के उत्थान में कोई कमी नहीं छोड रही है। क्षेत्र के छात्र को हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए स्पष्ट किया कि किरार समाज समीति द्वारा क्षेत्र में अच्छे काम किए जा रहे हैं।समाज के भवन विस्तार की दिशा में अपनी निधि से 5 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन वृन्दावन पटेल यशवंत पटेल के द्वारा तथा आभार बसंत खेरोनिया के द्वारा व्यक्त किया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं किरार समाज के स्वाजातीय शिक्षक और स्कूलों के संचालक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।